2021

PHILOSOPHY — GENERAL

Paper : GE/CC-1 Full Marks : 65

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

প্রান্তলিখিত সংখ্যাণ্ডলি পূর্ণমান নির্দেশক।

| | याजागायल भरपा | । ७।०। | 1414 1464441 | |
|---|---|-------------------------------|----------------|------|
| ١ | সঠিক উত্তরটি বেছে নাও <i>(যে-কোনো দশটি)</i> ঃ | | | 2×20 |
| | (ক) চার্বাক স্বীকৃত প্রমাণের সংখ্যা হল | | | |
| | (অ) ১ | (আ) | 2 | |
| | (ই) ৩ | (ঈ) | 8 | |
| | (খ) ন্যায় মতে 'পরামর্শজন্য জ্ঞান'কে বলা হয় | | | |
| | (অ) প্রত্যক্ষ | (আ) | অনুমিতি | |
| | (ই) উপমিতি | (ঈ) | শাব্দবোধ। | |
| | (গ) নিম্নলিখিত সন্নিকর্যগুলির মধ্যে কোনটি লৌকিক স | ন্নিকর্ষ ? | | |
| | (অ) জ্ঞানলক্ষণ | (আ) | সামান্যলক্ষণ | |
| | (ই) সমবায় | (\$\overline{3}) | যোগজ। | |
| | (ঘ) বৈশেষিক মতে কর্ম কয় প্রকার? | | | |
| | (অ) ৪ | (আ) | œ | |
| | (ই) ৬ | (ঈ) | ٩ | |
| | (৬) শব্দত্ব জাতি প্রত্যক্ষে কোন সন্নিকর্য প্রয়োজন হয়? | | | |
| | (অ) সংযোগ | (আ) | সংযুক্ত সমবায় | |
| | (ই) সমবায় | (ঈ) | সমবেত সমবায়। | |
| | (চ) ন্যায় মতে 'নিশ্চিতসাধ্যবান' কীসের লক্ষণ? | | | |
| | (অ) পক্ষ | (আ) | সপক্ষ | |
| | (ই) বিপ ক্ষ | (\$\overline{3}) | সাধ্য। | |
| | | | | |

| V(1st Sn | n.)-Philosophy-G/(GE/CC-1)/CBCS | (2) | | |
|----------|---|---------------|-------------|---|
| (| ছে) বৈশেষিকগণ কয়টি গুণ স্বীকার করেন? | | | |
| | (অ) ৬ | (আ) | >0 | |
| | (②) 52 | (ঈ) | ২ 8। | |
| (| (জ) পঞ্চাবয়বী ন্যায়ের দ্বিতীয় অবয়বটির নাম | া হল | | |
| | (অ) প্রতিজ্ঞা | (আ) | উদাহরণ | |
| | (ই) হেতু | (ঈ) | উপনয়। | |
| (| ঝে) বৈশেষিক সূত্রের রচয়িতা হলেন | | | |
| | (অ) বাৎস্যায়ন | (আ) | কণাদ | |
| | (ই) কুমারিল ভট্ট | (ঈ) | রামানুজ। | |
| (| (ঞ) নিম্নলিখিত সামান্যগুলির মধ্যে কোনটি ^র | অপর সামান্য ? | | |
| | (অ) সত্তা | (আ) | দ্রব্যত্ত্ব | |
| | (ই) ঘটত্ব | (ঈ) | গুণত্ব। | |
| (| (ট) বৈশেষিক মতে জ্ঞান কোন পদার্থ? | | | |
| | (অ) গুণ | (আ) | কৰ্ম | |
| | (ই) সামান্য | (ঈ) | সমবায়। | |
| (| ঠি) শংকরাচার্য ছিলেন | | | |
| | (অ) দ্বৈতবাদী | (আ) | শূন্যবাদী | |
| | (ই) অদ্বৈতবাদী | (ঈ) | বহুত্ববাদী। | |
| २। ७ | সংক্ষিপ্ত উত্তর দাও <i>(যে-কোনো পাঁচটি)</i> ঃ | | | Œ |
| (| (ক) চার্বাকগণ ব্যাপ্তিজ্ঞান স্বীকার করেন না কেন? | | | |
| (| (খ) শব্দ প্রমাণ সম্পর্কে চার্বাকদের অভিমত উল্লেখ করো। | | | |
| (| (গ) ন্যায় মতে সমব্যাপ্তি ও বিষমব্যাপ্তির সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও। | | | |
| (| (ঘ) ন্যায়সম্মত লৌকিক সন্নিকর্যগুলির দৃষ্টান্তসহ ব্যাখ্যা করো। | | | |
| (| (ঙ) সমবায় ও সংযোগের পার্থক্য নির্ণয় করো। | | | |
| (| (চ) <i>সংসর্গাভাবের</i> বিভিন্ন প্রকার দৃষ্টান্তসহ ব | ্যাখ্যা করো। | | |
| (| ্ছ) শংকরাচার্যসম্মত <i>'সত্তাত্রৈবিধ্যবাদ'</i> ব্যাখ্যা | করো। | | |

(জ) শংকরাচার্যের মতে *'সং', 'অসং'ও 'মিথ্যা'* পদের অর্থ আলোচনা করো।

| | | (3) | | V(1st Sm.)-Philosophy-G/(GE | /CC-1)/CBCS |
|----|--|-------------------------|---------------|---------------------------------------|-----------------------------|
| ৩। | <i>যে-কোনো দুটি</i> প্রশ্নের উত্তর দাওঃ | | | | |
| | (ক) 'প্রত্যক্ষই একমাত্র প্রমাণ'— এই সিদ্ধান্তের সন্মুখীন হতে হয়? | া সপক্ষে চার্বাকগ | ণ কী কী যুতি | জ দিয়েছেন ? এই যুক্তি গ্রহণ করলে | কী কী সমস্যার ৮+৭ |
| | (খ) ন্যায়মতে 'বিকল্প' শব্দের অর্থ নিরূপণ করে কীভাবে জানা যায়? নৈয়ায়িকগণ নির্বিকল্প | | | | প্রত্যক্ষের অস্তিৎ ৮+২+৫ |
| | (গ) বৈশেষিক মতানুসারে সামান্যের লক্ষণ ব্যাং কী কী? দৃষ্টান্তসহ ব্যাখ্যা করো। | থ্যা করো। স্বতন্ত্র গ | পদার্থরূপে সা | ামান্য স্বীকারের যুক্তি কী? সামান্যের | প্রকারভেদগুলি ৫+৫+৫ |
| | (ঘ) অদৈতবেদান্ত অনুসারে ব্রহ্মের স্বরূপ কী? | শংকরের মতানুয | যায়ী জীব ও | ব্রন্মের সম্পর্ক ব্যাখ্যা করো। | b+9 |
| | ! | [English Ver | sion] | | |
| | The figures in | the margin i | ndicate fu | ll marks. | |
| 1. | Choose the correct option (any ten): | | | | 1×10 |
| | (a) The number of pramāṇa accepted by Cārvāka is | | | | |
| | (i) 1 | (ii) | 2 | | |
| | (iii) 3 | (iv) | 4. | | |
| | (b) According to Nyāya, 'Parāmarśa | janyām Jñānai | m'is | | |
| | (i) Pratyakşa | (ii) | Anumiti | | |
| | (iii) Upamiti | (iv) | Śābdabo | dha. | |
| | (c) Which of the following sannikars | as is a <i>loukik</i> | a sannika | rsa? | |
| | (i) Jñāna-lakşaņa | (ii) | | ı-lakşana | |
| | (iii) Samavāya | (iv) | yogaja. | | |
| | (d) How many types of karma are ad | mitted by the | | e? | |
| | (i) 4 | (ii) | 5 | | |
| | (iii) 6 | (iv) | 7. | | |
| | (e) What is the sannikarşa required in | the perceptic | on of coun | dness (Śahdatya)? | |
| | (i) samyoga | i the perceptic (ii) | | a-samavāya | |
| | (iii) samavāya | (iv) | • | a-samavāya. | |
| | (III) Sulliuvaya | (11) | Sama v Cla | a bainavaya. | |

sapakşa

 $s\bar{a}dhya.$

10

24.

(ii)

(iv)

(ii)

(iv)

(f) What can be defined as 'niscitasādhyavān' according to Nyāya?

(g) How many qualities (guṇas) are admitted by the Vaiśeṣikas?

(i) pakṣa

(iii) vipakṣa

(i) 6

(iii) 12

Please Turn Over

| V(1st Sm. |)-Philosophy-G/(GE/CC-1)/CBCS | (4) | | | | |
|-----------|--|---|-----------------------|--|--|--|
| (h |) What is second avayava of ' | Pancāvayavī-Nyā | lya'? | | | |
| | (i) pratijñā | (ii) | udāharaņa | | | |
| | (iii) hetu | (iv) | upanaya. | | | |
| (i | The author of Vaiśeṣika Sūtra | is | | | | |
| | (i) Vātsyāyana | (ii) | Kaṇāda | | | |
| | (iii) Kumārila Bhaṭṭa | (iv) | Rāmānuja. | | | |
| (j | (j) Which one of the following is a apara sāmānya? | | | | | |
| | (i) Sattā (Being-hood) | (ii) | Dravyatva | | | |
| | (iii) Ghatatva (Jar-ness) | (iv) | Guṇatva. | | | |
| (k | According to the Vaiseşikas, v | hat padārtha is jñāna? | | | | |
| | (i) guṇa | (ii) | karma | | | |
| | (iii) sāmānya | (iv) | samavāya. | | | |
| (1 |) Śaṁkarācārya was a | | | | | |
| | (i) Dualist | (ii) | Nihilist | | | |
| | (iii) Monist | (iv) | Pluralist. | | | |
| 2. A | nswer in brief (any five): | | 5×5 | | | |
| (a |) Why the Cārvakas do not adm | it Vyāptijñāna? | | | | |
| (b |) State the opinion of the Carvaka philosophers regarding Śabdapramaņa. | | | | | |
| (c | Give a short account of Samavyāpti and Viṣamavyāpti according to the Naiyāyikas. | | | | | |
| (d | Explain with illustration the di | plain with illustration the different types of laukika sannikarşa after the Nyāya philosophers. | | | | |
| (e | e) Distinguish between 'samavāya' and 'samyoga'. | | | | | |
| (f | E) Explain with suitable example | s the different kin | nds of Samsargābhāva. | | | |

- 3. Answer any two questions:
 - (a) 'Perception is the only pramāṇa'- What are the arguments given by the Cārvākas in favour of this view? What are the problems one should have to face if this view is accepted? 8+7

(g) Explain the three grades of Sattā (Sattā-traibiddhyavāda) of Samkarācārya.

(h) Discuss the meanings of the terms 'sat', 'asat' and 'mithya' after Śamkarācārya.

- (b) Explain the Nyāya distinction between nirvikalpaka and savikalpaka pratyakşa with special reference to 'vikalpa'. How is the existence of savikalpaka pratyakşa known? How do the Nayāyikas prove the existence of nirvikalpaka pratyakşa?
 8+2+5
- (c) Explain the definition of Sāmānya according to the Vaiśeṣika. What is the reason behind admitting sāmānya as a separate category? What are the various types of Sāmānya? Explain with examples.
- (d) What, according to Advaita Vedānta, is the nature of Brahman? Explain, after Śaṁkara, the relation between the *Jīva* and *Brahman*.